16662

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

हरियाणा HARYANA 917109

बयनामा

विक्रेता मैसर्स ग्रो हाई रियल्टर्स प्रा0 लि0, : क्रेता मैसर्स कन्ट्रीवाईड प्रोमोटर्स प्रा0 लि0,

1— किस्म वसीका	:	बयनामा
2— मालियती	:	1,01,95,313/— रूपये
3— स्टाम्प	:	500/— रूपये
4— गांव/शहर का नाम	:	बसई/गुड़गांव
5— रकबा	:	1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी
6— किस्म अराजी	:	चाही
7— स्टाम्प विकेता	:	अजयपाल
8— स्टाम्प नं0/ तारीख	:	कमाक न0 4587/08—09—11

...No. 18044
Roll No. 1
Date 8/9/11

Deficiency Rs. 713185/ Received
V.R. No. 14269 Date 8/9/11

S. R. Gurgaon

4597
500

Country wide Promoters Pvt Ltd New Delhi

Sale deed

Ajay Pal Stamp Vendor
Regn. No. 35
Distt. Courts, Gurgaon
8/9/11

प्रलेख न: 16662

दिनाँक 08/09/2011

डीड सबंधी विवरण		
डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA		
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गांव/शहर बसई	स्थित बसई
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
निवासीय		
धन सबंधी विवरण		
राशि 10,195,313.00 रुपये		कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 713,685.00 रुपये
स्टाम्प की राशि 500.00 रुपये	रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये
बी बुक न. 14269	राशि 713185 रूपये	दिनांक 08/09/2011

Drafted By: SC Arora adv

यह प्रलेख आज दिनाँक 08/09/2011 दिन गुरूवार समय 2:34:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी M/s Gro High Realters Pvt Ltd पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी 5-H NIT faridabad द्वारा पँजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

श्री M/s Gro High Realters Pvt ltd thru B P Singh(OTHER)

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी Thru- Harsh verma क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी SC Arora पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी adv Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी satyapal पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Om Prakash निवासी Vpo Pataudi Gurgaon ने की। साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनाँक 08/09/2011

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

मनके मैसर्स ग्रो हाई रियल्टर्स प्रा0 लि0, 5–एच/89 एन. आई. टी. फरीदाबाद, हरियाणा – 1।

जोकि मे वाका मौजा बसई तह0 व जिला गुडगाँव में अराजी खेवट नं0 19, 20 खतौनी नं0 32,33 खसरा नं0 1081/225/2(1–7–7), 226/1(1–16–16), किता 2 कुल रकबा 3 बीघा 4 बिस्वा 3 विश्वान्सी मे से 1/3 भाग व खसरा नं0 1081/225/3 (0–0–18) 227/1(0–1–14) किता 2 कुल रकबा 0 बीघा 2 बिस्वा 12 विश्वान्सी मे से 2/39 भाग व खसरा नं0 226/3 (0–2–9) मे से 5/54 भाग कुल बकदर रकबा 1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी के हम बरूये जमांबदी सन 2001–2002 व ईन्तकाल नं0 6130 द्वारा मालिक व काबिज हैं। जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, यह कि उपरोक्त रकवे पर किसी का मौरूसी या गैरमौरूसी हक व हकूक ना है यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अगर उपरोक्त रकवे पर कोई भी रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, मौरूसी या गैरमौरूसी पाया जाता है तो उसका विक्रेता स्वयं जिम्मेदार होगी वह विक्रेता ठीक कराकर देगें व भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी ना उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर जायदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 1,01,95,313/– रूप्ये (एक करोड एक लाख पिन्चान्वे हजार तीन सौ तेरह रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग 50,97,656.5/– रूपये होते हैं, बाहकः क्रेता मैसर्स कन्ट्रीवाईड प्रोमोटर्स प्रा0 लि0 एम–11 मिडल सर्कल कनाट सर्कस नई दिल्ली –110001 को बय व

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
16,662	2011-2012	1

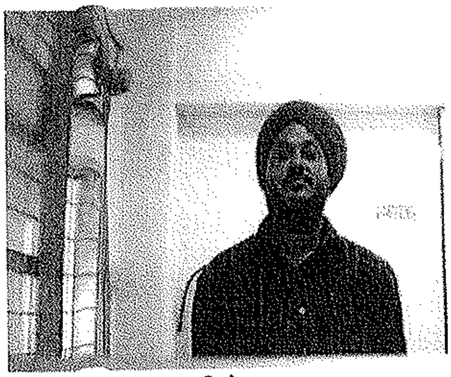

विक्रेता

क्रेता

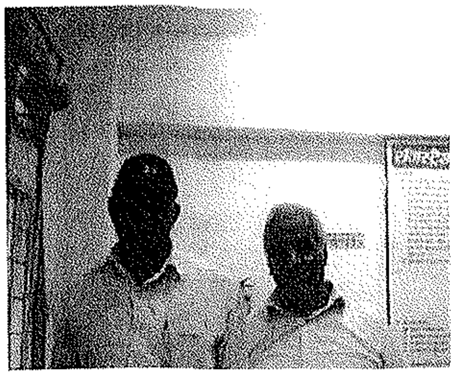

गवाह

उप /सयुँक्त पँजीयन अधिकारी

विक्रेता	B P Singh		
क्रेता	Thru- Harsh Mehra		
गवाह	SC Arora		
गवाह	satyapal		

फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक वसूल पा लिए है। जोकि निम्न प्रकार से है –

मैसर्स ग्रो हाई रियल्टर्स प्रा0 लि0 ने मु0 1,01,95,313/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 603763 दिनांक 08–09–2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन–देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त नम्बरान पर कब्जा देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी अराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
16,662	2011-2012	1

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 16,662 आज दिनाँक 08/09/2011 को बही नः 1 जिल्द नः 12,970 के पृष्ठ नः 156 पर पँजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 1,573 के पृष्ठ सख्या 39 से 40 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

दिनाँक 08/09/2011

उप / सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

तहरीर तारीखः 08—09—2011

DRAFTED BY ME

S. C. ARORA
Advocate
Distt. Court, Gurgaon

ह0 मैसर्स ग्रो हाई रियल्टर्स प्रा0 लि0,विक्रेता

ह0 कम्पनी क्रेता
हर्ष मेहरा
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाह नं0 1
S.C. ARORA
Advocate
GURGAON

गवाह नं0 2
Satyapal Yadav
S/o Om Parkash

पटवारी फार्म नं० 15

रजिस्टर इन्तकाल

नवाल

रजिस्टर इन्तकाल गाँव [illegible] नं० हदबस्त 50 तहसील [illegible] जिला [illegible] वर्क नम्बर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
	इन्द्राज जमाबन्दी गुजस्ता या आखरी बाकी इन्तकाल जिसकी तरमीम मतलुब है							इन्द्राज जदीद को अब कायम किया जाएगा						
नम्बरशुमार	नं० खाता जमाबन्दी शामिल	नाम तरफ या पाद्द	नाम मलाक व अहवाल	नाम काश्तकार व अहवाल	नम्बर व नाम खेत व रकबा व किस्म जमीन	मामला या लगान	नम्बर खाता जमाबन्दी जदीद	नाम मलाक व अहवाल	नाम काश्तकार व अहवाल	नम्बर व नाम खेत व रकबा व किस्म जमीन	मामला या लगान	फीस या तारीख इन्तकाल मय व जरसहल	फीस दाखल खजाना	रिपोर्ट पटवारी या तसदीक गिरदावर कानूनगो
6345	19/20		[illegible] प्रा. लि. 5-[illegible]/89 [illegible] 1/3 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	1081/225/2 1-7-7; 226/1 1-16-16; किता 2 3-4-3			[illegible] प्रा. लि. [illegible] 1/3 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	1081/225/2 1-7-7; 226/1 1-16-16; किता 2 3-4-3; 13-13-13 1-1-8		[illegible] 16662 8/9/14	50	[illegible] 09/9/2011
	20/[illegible]		[illegible] 2/39 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	1081/225/3 0-0-18; 227/1 0-1-14; किता 2 0-2-12			[illegible] 2/39 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	1081/225/3 0-0-18; 227/1 0-1-14; किता 2 0-2-12; 13-13-13 0-0-2½		1,95313/-		
	19/[illegible] 1		[illegible] 5/54 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	226/3 0-2-9			[illegible] 5/54 भाग मालिक [illegible]	[illegible]	226/3 0-2-9; 13-13-13 0-0-4½; कुल 13-13-13 1-1-18				

श्रीमान जी,
तसदीक की जाती है कि नकल मुताबिक असल है। उजरत हस्ब जाब्ता वसूल पाया।
ह० पटवारी 9/9/2011

[illegible] 09/09/11

इस जगह से काटिए कि आसामी से जमाबन्दी के साथ नत्थी हो सके।